No. of Printed Pages : 2

आर.एम.यू.-002

Ph.D. IN PERFORMING AND VISUAL ARTS (PHDPVA)

सत्रांत परीक्षा

0241

दिसम्बर, 2014

आर.एम.यू.-002 : भारतीय संगीत का इतिहासपरक अध्ययन

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न समान अंकों के हैं ।*

1. भरत द्वारा प्रतिपादित रस सिद्धान्त का सविस्तार विवेचन कीजिए । *10*

2. संगीत रत्नाकर में वर्णित राग वर्गीकरण प्रणाली का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । *10*

3. निम्नलिखित किसी भी ***एक*** वाद्य की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के सम्बन्ध में सविस्तार वर्णन कीजिए : *10*

   (i) सितार

   (ii) सारंगी

   (iii) तबला

4. खयाल गायन परंपरा की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के सम्बन्ध में सविस्तार वर्णन कीजिए । *10*

5. 15वीं शताब्दी से विष्णु नारायण भातखण्डे के समय तक विभिन्न संगीत-शास्त्रीयों के द्वारा किए गए श्रुति-स्वर विभाजन की तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत कीजिए । *10*

6. वर्तमान समय में तंत्री वाद्यों पर बजाए जाने वाले शास्त्रीय संगीत की रचनाओं की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक लिखिए । *10*

7. प्राचीन व मध्यकालीन ग्रन्थों में वर्णित ताल के दस प्राण का वर्णन कीजिए तथा वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता के सम्बन्ध में अपना मत व्यक्त कीजिए । *10*

8. समकालीन हिन्दुस्तानी तथा कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त ताल पद्धति का तुलनात्मक विवेचन कीजिए । *10*

9. खयाल तथा ध्रुपद की संरचना तथा गायन पद्धति का तुलनात्मक वर्णन कीजिए । *10*